

पाठ्यक्रम संरचना
कक्षा - XI
विषय - भूगोल (102)

पूर्णांक - 100

सैद्धांतिक - 70
 प्रायोगिक - 30

स.क्र.	इकाई	पाठ्यवस्तु	आवृत्ति अंक	कालखण्ड
भाग - A भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत				
1.	I	भूगोल एक विषय के रूप में - 01. भूगोल एक विषय के रूप में	03	07
2.	II	पृथ्वी - 02. पृथ्वी की उत्पत्ति एवं विकास 03. पृथ्वी की आंतरिक संरचना 04. महासागरों एवं महाद्वीपों का वितरण	07	16
3.	III	भू-आकृतियाँ - 05. भू-आकृतिक प्रक्रियाएँ 06. भू-आकृतियों तथा उनका विकास	05	20
4.	IV	जलवायु - 07. वायुमण्डल का संघटन तथा संरचना 08. सौर विकिरण, उष्मा संतुलन एवं तापमान 09. वायुमंडलीय परिसंचरण तथा मौसम प्रणालियाँ 10. वायुमंडल में जल 11. विश्व की जलवायु एवं जलवायु परिवर्तन	10	32
5.	V	जल - 12. महासागरीय जल 13. महासागरीय जल संचलन	03	12
6.	VI	पृथ्वी पर जीवन - 14. जैव विविधता एवं संरक्षण	02	08
		नक्शा कार्य	05	10
भाग - B भारत : भौतिक पर्यावरण				
7.	VII	भारत - स्थिति - 15. भारत - स्थिति	03	05
8.	VIII	भू-आकृति विज्ञान - 16. संरचना तथा भू-आकृति विज्ञान 17. अपवाह तंत्र	08	28
9.	IX	जलवायु, वनस्पति एवं मृदा - 18. जलवायु 19. प्राकृतिक वनस्पति	08	20
10.	X	प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ, कारण, परिणाम तथा प्रबंध - 20. प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ परिशिष्ट :- छत्तीसगढ़ का भूगोल I. राज्य की राजधानी, जिलों की संख्या, क्षेत्रफल एवं जनसंख्या II. छत्तीसगढ़ की भौतिक संरचना एवं जलवायु प्रमुख नदी द्रोणी III. राज्य/केन्द्र शासित क्षेत्रों में वनाच्छादन IV. छठगढ़ के राष्ट्रीय पार्क एवं अभ्यारण्य	11	22
		नक्शा कार्य	05	10
		योग -	70	190
		प्रायोगिक -	30	50
		महायोग -	100	240

प्रश्नपत्र योजना
कक्षा – XI
विषय – भूगोल (102)

कुल अंक – 70

समय – 3:00 घण्टे

“A” - प्रश्नानुसार अंक विभाजन

क्र.	शैक्षिक उद्देश्य	वस्तुनिष्ठ/ एक शब्द में उत्तर 01	अति लघु उत्तरीय (VSA) 02	लघु उत्तरीय (SA) 03	दीर्घ उत्तरीय (LA-I) 04	दीर्घ उत्तरीय (LA-II) 05	नक्शा कौशल पर आधारित प्रश्न (MSBA) 05	कुल अंक	% अधिभार
1.	ज्ञानात्मक (Knowledge) परिभाषा, सिद्धांत, तथ्यों को पहचानना, सूचना इत्यादि पर आधारित स्मरण क्षमता पर आधारित प्रश्न	05	02	—	—	01	—	14	20%
2.	अवबोधनात्मक (Understanding) अर्थ, व्याख्या, अंतर स्पष्ट करना, वैचारिक समझ, भावानुवाद	03	—	01	01	01	—	15	22%
3.	अनुप्रयोगात्मक (Application) उदाहरण सहित/संदर्भ और समझ के आधार पर दी गई नयी परिस्थितियों को समझना /सिद्धांत के समाधान/हल निकालना	—	—	01	02	01	—	16	23%
4.	विश्लेषणात्मक (Analysis) [HOTS] वर्गीकृत, तुलनात्मक, व्याख्या विभिन्न स्रोतों पर आधारित विशेष जानकारी को समाहित करना/एकीकरण/सुसंगठित करना/अंतर	02	01	01	—	—	—	07	10%
5.	मूल्यांकन (Evaluation) मूल्यांकन करना/समीक्षा करना/मूल्य निर्धारण/निष्कर्ष निकालना/चयन करना/ तर्क आधारित	—	02	—	01	—	—	08	11%
6.	रचनात्मक (Creation/Creativity) सृजन करना/पूर्वानुमान/योजना बनाना/ परिकल्पना/संगठित करना	—	—	—	—	—	02	10	14%
	योग	1(10) =10	2(05) =10	3(03) =09	4(04) =16	5(03) =15	5(02) =10	70	100%

“B” - प्रश्नानुसार विभाजन

क्र.	प्रश्नों के प्रकार	प्रत्येक प्रश्न पर आवंटित अंक	कुल प्रश्न	कुल अंक
1.	वस्तुनिष्ठ/एक शब्द में उत्तर	01	10	10
2.	अति लघुउत्तरीय (VSA)	02	05	10
3.	लघुउत्तरीय (SA)	03	03	09
4.	दीर्घउत्तरीय (LA-I)	04	04	16
5.	दीर्घउत्तरीय (LA-II)	05	03	15
6.	नक्शा कौशल पर आधारित प्रश्न (MSBA)	05	02	10
	कुल योग		17+1(10) = 18	70

“C” – कठिनाई स्तर अनुसार विभाजन

क्र.	कठिनाई स्तर	अंक	प्रतिशत
1.	सरल (E)	21	30%
2.	औसत (AV)	35	50%
3.	कठिन (D)	14	20%
	योग	70	100%

ब्लूप्रिंट
कक्षा – XI
विषय – भूगोल (102)

पूर्णांक – 70

समय – 3:00 घण्टे

इकाई क्र.	अध्याय एवं पाठ्यवस्तु	अंको का अधिभार	वस्तुनिष्ठ/ एक शब्द में उत्तर 01	अति लघु उत्तरीय (VSA) 02	लघु उत्तरीय (SA) 03	दीर्घ उत्तरीय (LA-I) 04	दीर्घ उत्तरीय (LA-II) 05	नक्शा कौशल पर आधारित प्रश्न (MSBA) 05	कुल अंक	कुल प्रश्नों की संख्या
	भाग – A भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत	35								
I	भूगोल एक विषय के रूप में – 01. भूगोल एक विषय के रूप में	03	-	-	01	-	-	-	03	1(0)
II	पृथ्वी – 02. पृथ्वी की उत्पत्ति एवं विकास 03. पृथ्वी की आंतरिक संरचना 04. महासागरों एवं महाद्वीपों का वितरण	07	01	01	-	01*	-	-	07	2(1)
III	भू-आकृतियाँ – 05. भू-आकृतिक प्रक्रियाएँ 06. भू-आकृतियों तथा उनका विकास	05	01	-	-	01*	-	-	05	1(1)
IV	जलवायु – 07. वायुमण्डल का संघटन तथा संरचना 08. सौर विकिरण, उष्मा संतुलन एवं तापमान 09. वायुमण्डलीय परिसंचरण तथा मौसम प्रणालियाँ 10. वायुमण्डल में जल 11. विश्व की जलवायु एवं जलवायु परिवर्तन	06 04	01 02	- 01	- -	- -	01* -	- -	10	2(3)
V	जल – 12. महासागरीय जल 13. महासागरीय जल संचलन	03	-	-	01	-	-	-	03	1(0)
VI	पृथ्वी पर जीवन – 14. जैव विविधता एवं संरक्षण	02	-	01	-	-	-	-	02	1(0)
	नक्शा कार्य	05	-	-	-	-	-	01	05	1(0)
	भाग – B भारत-भौतिक पर्यावरण	35							35	
VII	भारत – स्थिति – 15. भारत – स्थिति	03	01	01	-	-	-	-	03	1(1)
VIII	भू-आकृति विज्ञान – 16. संरचना तथा भू-आकृति विज्ञान 17. अपवाह तंत्र	08	01	01	-	-	01*	-	08	2(1)
IX	जलवायु, वनस्पति एवं मृदा – 18. जलवायु 19. प्राकृतिक वनस्पति	08	01	-	01	01*	-	-	08	2(1)
X	प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ, कारण, परिणाम तथा प्रबंध – 20. प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ.	04	-	-	-	01*	-	-		
	परिशिष्ट :- छत्तीसगढ़ का भूगोल I- राज्य की राजधानी, जिलों की संख्या, क्षेत्रफल एवं जनसंख्या II- छत्तीसगढ़ की भौतिक संरचना एवं जलवायु III- प्रमुख नदी द्रोणी IV- राज्य/केन्द्र शासित क्षेत्रों में वनाच्छादन छठगढ़ के राष्ट्रीय पार्क एवं अभ्यारण्य	07	02	-	-	-	01*	-	11	2(2)
	नक्शा कार्य	05	-	-	-	-	-	01*	05	1(0)
	योग	70	1(10) = 10	2(5) = 10	3(3) = 09	4(4) = 16	5(3) = 15	5(2) = 10	70	17 + 1 (10)

01. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के दो भाग होंगे। खण्ड 'अ' में 05 बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) एवं खण्ड 'ब' में 05 एक शब्द/वाक्य (One Word) में उत्तर वाले प्रश्न होंगे।
02. * तारांकित प्रश्नों में विकल्प दिए जायेंगे।
03. योग में कोष्ठक के बाहर की संख्या अंको को दर्शाती है तथा कोष्ठक के अंदर की संख्या प्रश्नों की संख्या को दर्शाती है।

प्रश्नपत्र संरचना
कक्षा – XI
विषय– भूगोल (102)

कुल अंक – 80

समय – 3:00 घण्टे

1. प्रश्न क्र०-1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिसमें दो खण्ड होंगे :—
 - (i) “खण्ड-अ” में 05 बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) होंगे। प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।
 - (ii) खण्ड-“ब” में 05 एक शब्द में उत्तर (OWA) वाले प्रश्न होंगे। प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।
2. प्रश्न क्र०-02 से प्रश्न क्र०-06 तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न (VSA) होंगे। प्रत्येक में 02 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 30 शब्द
3. प्रश्न क्र०-07 से प्रश्न क्र०-09 तक लघुउत्तरीय प्रश्न (SA) होंगे। प्रत्येक में 03 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 50 शब्द
4. प्रश्न क्र०-10 से प्रश्न क्र०-13 दीर्घउत्तरीय प्रश्न (LA-I) होंगे। प्रत्येक में 04 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 100 शब्द
5. प्रश्न क्र०-14 से प्रश्न क्र०-16 दीर्घउत्तरीय प्रश्न (LA-II) होंगे। प्रत्येक में 05 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 100-150 शब्द
6. प्रश्न क्र०-17 एवं प्रश्न क्र०-18 नक्शा कार्य है। प्रत्येक में 05 अंक निर्धारित है।

टीप – दृष्टिबाधित छात्रों के लिए मानचित्र एवं रेखाचित्र वाले प्रश्नों में सैद्धांतिक प्रश्न दिए जाए।

पाठ्यक्रम
कक्षा – XI
विषय – भूगोल 102

भाग– (अ) भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत –

इकाई 1. भूगोल एक विषय के रूप में –

अंक 03 कालखण्ड 07

अध्याय – 01. भूगोल एक विषय के रूप में – भूगोल एक समाकलन विषय के रूप में भूगोल की शाखाएँ (विषय वस्तुगत या क्रमबद्ध उपागम के आधार पर)–भौतिक भूगोल, मानव भूगोल, जीव-भूगोल, प्रादेशिक उपागम पर आधारित भूगोल की शाखाएँ, भौतिक भूगोल एवं इसका महत्व।

इकाई 2. पृथ्वी –

अंक 07 कालखण्ड 16

अध्याय – 02. पृथ्वी की उत्पत्ति एवं विकास – आरंभिक सिद्धांत–पृथ्वी की उत्पत्ति, आधुनिक सिद्धांत–ब्रह्मांड की उत्पत्ति, तारों का निर्माण, ग्रहों का निर्माण, पृथ्वी का उद्भव, स्थलमंडल का विकास, वायुमंडल व जलमंडल का विकास, जीवन की उत्पत्ति।

अध्याय – 3. पृथ्वी की आंतरिक संरचना – भूगर्भ की जानकारी के साधन–प्रत्यक्ष स्रोत, अप्रत्यक्ष स्रोत, भूकंप, भूकंपीय तरंगें, भूकंप के प्रभाव, भूकंप की माप, भूकंप की आवृत्ति, पृथ्वी की संरचना–भूपर्पटी, मैटल, क्रोड, ज्वालामुखी व ज्वालामुखी निर्मित स्थलरूप, ज्वालामुखी स्थलाकृतियाँ।

अध्याय – 4. महासागरों और महाद्वीपों का वितरण – महाद्वीपीय प्रवाह (वेगनर) महाद्वीपीय विस्थापन के पक्ष में प्रमाण, प्रवाह संबंधी बल, महासागरीय अधः स्थल की बनावट, भूकंप व ज्वालामुखियों का वितरण, सागरीय अधः स्थल का विस्तार, प्लेट विवर्तनीय, अपसारी सीमा, अभिशरण सीमा, प्लेट प्रवाह दरें, प्लेट को संचालित करने वाला बल, भारतीय प्लेट संचलन।

इकाई 3. भू-आकृतियाँ

अंक 05 कालखण्ड 20

अध्याय – 5. भू-आकृतिक प्रक्रियाएँ – धरातल असमतल क्यों है ? भू-आकृतिक प्रक्रियाएँ–अंतर्जनित प्रक्रियाएँ, पटल विरूपण, ज्वालामुखीयता, बहिर्जनिक प्रक्रियाएँ, अपक्षय, रासायनिक अपक्षय प्रक्रियाएँ, भौतिक अपक्षय प्रक्रियाएँ, जैविक कार्य एवं अपक्षय, अपक्षय के विशेष प्रभाव, अपक्षय का महत्व, बृहत् संचलन– भूस्खलन, अपरदन एवं निक्षेपण, मृदा निर्माण, मृदा निर्माण की प्रक्रियाएँ, मृदा निर्माण के कारक।

अध्याय — 6. भू-आकृतिकयाँ तथा उनका विकास — प्रवाहित जल, युवावस्था, प्रौढ़ावस्था, वृद्धावस्था, अपरदित स्थलरूप—घाटियाँ, जलगर्तिका तथा अवनमित कुंड, अधः कर्तित विसर्प या गभीरीभूत विसर्प, नदी वेदिकाएँ, निक्षेपित स्थल रूप : जलोढ़ पंख, डेल्टा, बाढ़-मैदान, प्राकृतिक तटबंध तथा विसर्पी रोधिका, नदी विसर्प, भौम जल, अपरदित स्थलरूप—कुंड, घोलरंध्र, लैपीज और चूना-पत्थर चबूतरे, कंदराएँ, निक्षेपित स्थलरूप, स्टैलेक्टाइट, स्टैलेग्माइट और स्तंभ, हिमनद, अपरदित स्थलरूप—सर्क, हॉर्न या गिरिश्रृंग और सिरेटेड कटक, हिमनद घाटी/गर्त, निक्षेपित स्थलरूप—हिमोढ़, एस्कर, हिमानी धौत मैदान, झमलिन तरंग व धाराएँ, ऊँचे चट्टानी तट, निम्न अवसादी तट, अपरदित स्थलरूप— भृगु, वेदिकाएँ, कंदराएँ तथा स्टैक, निक्षेपित स्थलरूप—पुलिन और टिब्बे, रोधिका, रोध तथा स्पिट, पवनें, अपरदनात्मक स्थलरूप—पेडीमेंट और पदस्थली, पलाया, अपवाहन गर्त तथा गुहा, छत्रक, टेबल तथा पीठिका शैल, निक्षेपिक स्थलरूप—बालू टिब्बे।

इकाई 4. जलवायु

अंक 09 कालखण्ड 32

अध्याय — 7. वायुमण्डल का संघटन तथा संरचना — वायुमण्डल का संघटन, वायुमण्डल की संरचना, मौसम और जलवायु के तत्व।

अध्याय — 8. सौर विकिरण, उष्मा संतुलन एवं तापमान — सौर विकिरण, पृथ्वी की सतह पर सूर्यातप में भिन्नता, वायुमण्डल का तापन एवं शीतलन, पृथ्वी का उष्मा बजट, तापमान, तापमान के वितरण को नियंत्रित करने वाले कारक, तापमान का व्युत्क्रमण।

अध्याय — 9. वायुमंडलीय परिसंचरण तथा मौसम प्रणालियाँ — वायुमण्डल दाब, वायुदाब में ऊर्ध्वाधर भिन्नता, वायुदाब का क्षैतिज वितरण, समुद्रतल वायुदाब का विश्व-वितरण, पवनों की दिशा व वेग को प्रभावित करने वाले बलदाब प्रवणता बल, घर्षण बल, कोरिऑलिस बल, वायुदाब व पवनें, वायुमण्डल का सामान्य परिसंचरण, और उसका महासागरों पर प्रभाव, मौसमी पवनें, स्थीनय पवनें, स्थल व समुद्र समीर, पर्वत व घाटी पवनें, वायु राशियाँ, वाताग्र, बहिरुष्ण कटिबंधीय चक्रवात, उष्ण कटिबंधीय चक्रवात, तडितझंझा व टोरनेडो।

अध्याय — 10. वायुमण्डल में जल — वाष्पीकरण तथा संघनन, ओस, तुषार, कोहरा एवं कुहासा, बादल, वर्षण, वर्षा के प्रकार, संसार में वर्षा वितरण।

अध्याय — 11. विश्व की जलवायु एवं जलवायु परिवर्तन — कोपेन की जलवायु वर्गीकरण की पद्धति, समूह A उष्णकटिबंधीय जलवायु, शुष्क जलवायु — B, कोष्ण शीतोष्ण (मध्य अक्षांशीय) जलवायु— C, शीतहिम— वन जलवायु D, ध्रुवीय जलवायु E, उच्च भूमि जलवायु F, जलवायु परिवर्तन, अभिनव पूर्व काल में जलवायु, जलवायु परिवर्तन के कारण, भूमण्डलीय तापन (ग्रीन हाउस प्रभाव), ग्रीनहाउस गैसें।

अध्याय — 12. महासागरीय जल — जलीय चक्र, महासागरीय अधस्तल का उच्चावच, महासागरीय अधस्तल का विभाजन, उच्चावच की लघु आकृतियाँ, महासागरीय जल का तापमान, तापमान वितरण को प्रभावित करने वाले कारक तापमान का ऊर्ध्वाधर तथा क्षैतिज वितरण, महासागरीय जल की लवणता, महासागरीय लवणता को प्रभावित करने वाले कारक, लवणता का क्षैतिज वितरण, लवणता का ऊर्ध्वाधर वितरण।

अध्याय — 13. महासागरीय जल संचलन — तरंगें, ज्वार-भाटा, ज्वार-भाटा के प्रकार, ज्वार-भाटा का महत्व, महासागरीय धाराएँ, महासागरीय धाराओं के प्रकार, प्रमुख महासागरीय धाराएँ, महासागरीय धाराओं के प्रभाव।

अध्याय — 14. जैव विविधता एवं संरक्षण — आनुवांशिक जैव विविधता, प्रजातीय विविधता, पारितंत्रीय विविधता, जैव-विविधता का महत्व, जैव-विविधता की पारिस्थितिकीय भूमिका, जैव-विविधता की आर्थिक भूमिका, जैव-विविधता की वैज्ञानिक भूमिका, जैव-विविधता ह्रास, संकटापन्न प्रजातियाँ, सुभेद्य प्रजातियाँ, दुर्लभ प्रजातियाँ, जैव विविधता का संरक्षण।

भाग—(ब) भारत: भौतिक पर्यावरण—

अध्याय — 15. भारत —स्थिति — आकार, भारत एवं उसके पड़ोसी

अध्याय — 16. संरचना तथा भू- आकृति विज्ञान — प्रायद्वीपीय खंड, हिमालय और अन्य अतिरिक्त-प्रायद्वीपीय पर्वतमालाएँ, सिंधु-गंगा-ब्रह्मपुत्र मैदान, भूआकृति-उत्तर तथा उत्तरी-पूर्वी पर्वतमाला, उत्तरी भारत का मैदान, प्रायद्वीपीय पठार, भारतीय मरुस्थल, तटीय मैदान, द्वीप समूह।

अध्याय — 17. अपवाह तंत्र — भारत के अपवाह तंत्र, हिमालयी अपवाह, हिमालय पर्वतीय अपवाह तंत्र का विकास, हिमालयी अपवाह तंत्र की नदियाँ— सिंधु नदी तंत्र, गंगा नदी तंत्र, ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र, प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र, प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र, प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र का उद्विकास, प्रायद्वीपीय नदी तंत्र, नदी जल उपयोग की सीमा।

अध्याय — 18. जलवायु — मानसून जलवायु में एकरूपता एवं विविधता, भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक, भारतीय मानसून की प्रकृति, मानसून का आरंभ, वर्षावाही तंत्र तथा मानसूनी वर्षा का वितरण, मानसून में विच्छेद, मानसून का निवर्तन, ऋतुओं की लय—शीत ऋतु, ग्रीष्म ऋतु तापमान, दक्षिण—पश्चिमी मानसून की ऋतु, अरब सागर की मानसून पवनें, बंगाल की खाड़ी की मानसून पवनें, मानसून के निवर्तन की ऋतु, भारत की परंपरागत ऋतुएँ, वर्षा का वितरण, वर्षा की परिवर्तिता, मानसून और भारत का आर्थिक जीवन, भूमण्डलीय तापन।

अध्याय — 19. प्राकृतिक वनस्पति — वनों के प्रकार—उष्ण कटिबंधीय सदाबहार एवं अर्ध सदाबहार वन, उष्ण कटिबंधीय पर्णपातीय वन, उष्ण कटिबंधीय काँटेदार वन, पर्वतीय वन, वेलांचली व अनूप वन, वन संरक्षण, सामाजिक वानिकी, फॉर्म वानिकी, वन्य प्राणी, भारत में वन्य प्राणी संरक्षण, जीव मंडल निचय,—नीलगिरी जीव मण्डल निचय, नंदादेवी जीव मण्डल निचय, सुंदरवन जीव मण्डल निचय, मन्नार की खाड़ी का जीव मण्डल निचय।

इकाई 10. प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ, कारण, परिणाम तथा प्रबंध —

अंक 08 कालखण्ड 22

अध्याय — 20. प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँ — प्राकृतिक आपदाओं का वर्गीकरण, भारत में प्राकृतिक आपदाएँ— भूकंप, सुनामी, उष्ण कटिबंधीय चक्रवात, बाढ़, सूखा, सूखा के प्रकार, भारत में सूखाग्रस्त क्षेत्र, सूखे के प्रकार, भूस्खलन, आपदा प्रबंधन, निष्कर्ष।

परिशिष्ट— छ0ग0 का भूगोल

01. छ0ग0 राज्य की राजधानी, जिलों की संख्या, क्षेत्रफल एवं जनसंख्या
02. छ0ग0 की भौतिक संरचना एवं जलवायु प्रमुख नदी, द्रोणी
03. राज्य में वनाच्छादन
04. छ0ग0 के राष्ट्रीय पार्क एवं अभ्यारण

नक्शा कार्य —

अंक 05 कालखण्ड 10

योग —	70	190
प्रायोगिक —	30	50
महायोग —	100	240

प्रायोगिक कार्य (Practical Work)

कक्षा – XI

विषय – भूगोल (102)

मूल्यांकन योजना

अंक – 30

समय – 3:00 घण्टे

स.क्र.	विषयवस्तु	अंक
1.	मानचित्र का परिचय	03
2.	मानचित्र मापनी	03
3.	अक्षांश, देशांतर और समय	03
4.	मानचित्र प्रक्षेप	03
5.	स्थालाकृतिक मानचित्र	03
6.	सूक्ष्म संवेदन का परिचय	05
7.	प्रायोगिक रिकार्ड एवं मौखिक परीक्षा	10 (5+5)
	योग	30

नोट – भूगोल प्रायोगिक कार्ययोजना एवं पाठ्यक्रम पूर्ववत् यथावत है।